UPSMA
UP SUGAR MILLS ASSOCIATION

वार्ता The Dialogue

DECEMBER, 2025 — Monthly Newsletter of UPSMA — VOL: IV, ISSUE: 315

NEWSMAKERS

चीनी MSP में बढ़ोतरी? मंत्री ने लोकसभा को दी 'यह' जानकारी

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने कहा है कि उसे चीनी उद्योग के अलग अलग संगठनों से चीनी के मिनिमम सेलिंग प्राइस (MSP) में बढ़ोतरी की मांग करने वाले कई ज्ञापन और सुझाव मिले हैं। 10 दिसंबर, 2025 को लोकसभा में एक अतारांकित सवाल के जवाब में, कंज्यूमर अफेयर्स, फूड और पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन राज्य मंत्री नीमूबेन जयंतीभाई बंभानिया ने कहा कि, सरकार चीनी की एक्स-मिल कीमतों पर लगातार नजर रख रही है। जब भी सही समझा जाएगा, गन्ना किसानों और चीनी उद्योग के हितों की रक्षा के लिए सही कदम उठाए जाएंगे।

सांसद सुधीर गुप्ता, रवींद्र चव्हाण और धैर्यशील माने द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए, मंत्री ने माना कि चीनी उद्योग ने चीनी MSP में बदलाव की मांग की है। हालांकि, सरकार ने साफ किया कि मिलों, गन्ना किसानों और कंज्यूमर्स सहित स्टेकहोल्डर्स पर चीनी MSP में बदलाव के फाइनेंशियल असर का मूल्यांकन करने के लिए कोई असेसमेंट नहीं किया गया है। इसलिए, MSP में बदलाव पर फैसला लेने के लिए कोई टाइमलाइन तय नहीं की गई है।

मंत्री ने यह भी कहा कि, केंद्र सरकार ने इस बारे में राज्य सरकारों, चीनी मिलों या किसान संगठनों के साथ कोई बातचीत या सलाह-मशविरा नहीं किया है। फरवरी 2019 से चीनी का MSP बिना किसी बदलाव के है, जबकि इंडस्ट्री बॉडीज़ इसे बढ़ाने पर जोर दे रही हैं। मिलर्स का कहना है कि,स्थिर कीमतों से मिलों की वायबिलिटी और किसानों को गन्ने का बकाया समय पर देने पर असर पड़ रहा है। 2019 से, गन्ने का FRP 275 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 355 रुपये प्रति क्विंटल (2025–26) हो गया है, जो 29% की बढ़ोतरी है।

Source: Chinimandi, 10th December 2025

'चीनी को दोष देना बंद करें': डॉक्टर ने बताया कि असल में डायबिटीज किस वजह से होती है...

मुंबई : अगर आप पेरेंट हैं, तो आपने शायद अपने बच्चों से कहा होगा, "अब और मिठाई नहीं वरना तुम्हें डायबिटीज हो जाएगी!" यह लगभग हर घर में एक यूनिवर्सल चेतावनी है, लेकिन यहाँ ट्विस्ट है: चीनी से डायबिटीज नहीं होती जैसा हम सोचते हैं। असल में, अगर डायबिटीज की शुरुआत की कोई विलेन वाली कहानी होती, तो मिठाई मुश्किल से ही सपोर्टिंग कास्ट में जगह बना पाती।

'टाइम्स ऑफ़ इंडिया' के साथ एक इंटरव्यू में, नोएडा में मदरहुड हॉस्पिटल्स में सीनियर कंसल्टेंट – पीडियाट्रिशियन और नोनटोलॉजिस्ट, डॉ. अमित गुप्ता ने बताया कि, असल में पर्दे के पीछे क्या चल रहा है और स्पॉइलर अलर्ट (सच्चाई का लेना-देना जेनेटिक्स, लाइफस्टाइल, स्क्रीन टाइम और शरीर इंसुलिन को कैसे हैंडल करता है) इससे कहीं ज़्यादा है, न कि कभी-कभार मिलने वाले कपकेक से। डायबिटीज के मामले इसलिए नहीं बढ़ रहे हैं कि बच्चे बहुत ज्यादा चॉकलेट खाते हैं, बल्कि इसलिए बढ़ रहे हैं क्योंकि वे कम हिलते-डुलते हैं, ज़्यादा स्नैक करते हैं और अक्सर उन्हें ऐसे रिस्क फैक्टर विरासत में मिलते हैं जिन्हें वे देख नहीं सकते।

यहाँ जरूरी बात यह है: शुरुआती जानकारी कहानी को पूरी तरह से बदल सकती है। तो इससे पहले कि आप डेजर्ट प्लेट फेंक दें या चीनी को लेकर घबराएं, आइए मिथकों को दूर करें, साइंस को समझें और सीखें कि स्क्रीन, स्नैक्स और स्कूल के प्रेशर से भरी दुनिया में अपने बच्चों को कैसे आगे बढ़ाएं।

डॉ. गुप्ता ने बताया, डायबिटीज़ न सिर्फ़ बड़ों में बल्कि बच्चों में भी एक आम बात है। कई बच्चे इससे जूझ रहे हैं और चुपचाप सह रहे हैं। जब माता-पिता "डायबिटीज़" शब्द सुनते हैं, तो सबसे पहले उनके दिमाग में चीनी का ख्याल आता है, लेकिन असल में, बचपन की डायबिटीज़ कहीं ज़्यादा मुश्किल होती है। यह सिर्फ़ मिठाई खाने के बारे में नहीं है; यह इस बारे में है कि शरीर इंसुलिन को कैसे प्रोसेस करता है, यह वह हार्मोन है जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है। बच्चों में डायबिटीज के मामलों में बढ़ोतरी सेडेंटरी लाइफस्टाइल और अनहेल्दी खाने की आदतों के कारण होती है।"

उन्होंने आगे कहा, "आजकल बच्चे घर के अंदर गैजेट्स पर ज्यादा समय बिताते हैं, कम चलते-फिरते हैं, और अक्सर ज्यादा कैलोरी, कम पोषक तत्व वाला खाना खाते हैं। जेनेटिक प्रवृति के साथ, इससे इंसुलिन रेजिस्टेंस का खतरा बढ़ जाता है, जब शरीर इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं करता। इसलिए, माता-पिता को बच्चों में डायबिटीज के चेतावनी संकेतों को समझना चाहिए ताकि इसे जल्दी रोका या मैनेज किया जा सके।"

उन्होंने चीनी और डायबिटीज से जुड़े इन मिथकों को किया दूर –

मिथक 1: चीनी खाने से डायबिटीज होती है

सच: कई माता-पिता मानते हैं कि सिर्फ़ मीठा खाने से डायबिटीज नहीं होती। टाइप 1 डायबिटीज तब होती है जब इम्यून सिस्टम गलती से पैंक्रियाज में इंसुलिन बनाने वाले सेल्स पर हमला करता है। इसका चीनी लेने से कोई लेना-देना नहीं है। जेनेटिक्स और फैमिली हिस्ट्री जैसे दूसरे फैक्टर भी डायबिटीज का कारण बन सकते हैं।

Continued on the next page ...

Office: 403 - Chintels House, 16-Station Road, Lucknow-226001 | Phone: +91-522-2635127, 2636482 | E-mail: upsma@upsma.org | Visit us at: www.upsma.org

UPSMA
UP SUGAR MILLS ASSOCIATION

वार्ता
The Dialogue

DECEMBER, 2025 — Monthly Newsletter of UPSMA — VOL: IV, ISSUE: 315

डायबिटीज जर्नल में छपी 2003 की एक क्लासिक स्टडी में पाया गया कि, जिन बच्चों की फैमिली हिस्ट्री में डायबिटीज है, उनमें बिना फैमिली रिस्क वाले बच्चों की तुलना में फास्टिंग इन्सुलिन लेवल और इंसुलिन रेजिस्टेंस काफी ज्यादा होता है।

मिथक 2: सिर्फ़ बड़ों को डायबिटीज़ होती है

सच: टाइप 2 डायबिटीज, जो कभी सिर्फ़ बड़ों में होती थी, अब खराब डाइट, एक्सरसाइज की कमी और मोटापे की वजह से बच्चों में भी बढ़ रही है। ज्यादा देर तक स्क्रीन पर रहना, प्रोसेस्ड फूड और मीठी ड्रिंक्स इसका खतरा बढ़ाते हैं।

JAMA पीडियाट्रिक्स में 630 बच्चों पर दो साल की एक लोंगिट्युडिनल स्टडी में पाया गया कि, बॉडी फैट (एडिपोसिटी) बढ़ने से बच्चों में भी इंसुलिन सेंसिटिविटी कम होने और इंसुलिन निकलने की संभावना ज्यादा होती है।

2010 की एक और JAMA पीडियाट्रिक्स स्टडी से पता चला कि, जो टीनएजर्स हफ़्ते के दिनों में दो या उससे ज़्यादा घंटे स्क्रीन पर बिताते थे, उनमें इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ गया था, जिससे सुस्त आदतें मेटाबोलिक प्रॉब्लम का एक साफ़ रिस्क फैक्टर बन गईं।

सच: डायबिटीज वाले बच्चों को कम मात्रा में खाना होगा। हालांकि, माता-पिता को मात्रा का ध्यान रखना चाहिए। ज़रूरी है कम मात्रा में खाना और फाइबर, साबुत अनाज, फल और सब्जियों से भरपूर हेल्दी खाना चुनना।

पेरेंट्स के लिए गाइडेंस: बच्चों के लिए ज़रूरी टिप्स के साथ एक बैलेंस्ड प्लान

डॉ. गुप्ता ने सुझाव दिया की –

स्क्रीन टाइम कम करें: इलेक्ट्रॉनिक्स के बजाय बाहर खेलने या फिजिकल एक्टिविटी के लिए बढ़ावा दें। रोज़ाना स्क्रीन का इस्तेमाल कम करने से मेटाबोलिक रिस्क कम करने में मदद मिल सकती है।

रेगुलर एक्सरसाइज को बढ़ावा दें: रोजाना कम से कम 60 मिनट की एक्टिविटी का लक्ष्य रखें — स्पोर्ट्स से लेकर सिंपल खेल तक।

डाइट क्वालिटी पर ध्यान दें: मीठी ड्रिंक्स के बजाय सब्जियां, साबुत अनाज, लीन प्रोटीन और पानी जैसे साबुत खाने को प्राथमिकता दें।

हेल्थ पर नज़र रखें: अगर परिवार में डायबिटीज की हिस्ट्री है, तो अपने बच्चे के लिए रेगुलर ब्लड शुगर स्क्रीनिंग पर विचार करें और ज़्यादा प्यास लगने या बिना वजह वजन कम होने जैसे लक्षणों पर नज़र रखें।

अपने बच्चे को एजुकेट करें: उन्हें उम्र के हिसाब से डायबिटीज के बारे में सिखाएं, इस बात पर ज़ोर दें कि यह सिर्फ़ शुगर के बारे में नहीं है बल्कि यह भी कि शरीर इंसुलिन का इस्तेमाल कैसे करता है।

डायबिटीज कोई साधारण "शुगर प्रॉब्लम" नहीं है। यह जीन, लाइफस्टाइल और फिजियोलॉजी से प्रभावित एक कई तरह की मेटाबोलिक चुनौती है। इस मुश्किल को समझकर और जल्दी कदम उठाकर, माता-पिता अपने बच्चों को हेल्दी, एक्टिव और डायबिटीज के बारे में जागरूक रहने में मदद कर सकते हैं, न कि डायबिटीज से डरने वाले।

Source: Chinimandi, 22nd November, 2025

FY 2024-25 के दौरान OMCs द्वारा बायोडीजल ब्लेंडिंग प्रोग्राम के तहत बायोडीजल की खरीद की कुल कीमत की राज्यवार जानकारी

फाइनेंशियल ईयर (FY) 2024-25 के दौरान पब्लिक सेक्टर OMCs द्वारा बायोडीजल ब्लेंडिंग प्रोग्राम के तहत बायोडीजल की खरीद की ग्रॉस वैल्यू की राज्य-वार डिटेल्स नीचे दी गई है:

State	Gross Value of Biodiese Purchase (Rs. in Crores)
Andhra Pradesh	282.74
Bihar	59.85
Delhi	31.23
Gujarat	212.81
Haryana	139.35
Jharkhand	83.91
Karnataka	318.85
Kerala	208.92
Madhya Pradesh	55.93
Maharashtra	84.46
Odisha	289.13
Rajasthan	210.70
Tamil Nadu	168.25
Telangana	472.76
Uttar Pradesh	217.23
Uttarakhand	1.53
West Bengal	399.41
Total	**3237.05**

Source: Chinimandi, 8th December, 2025, (PSU OMC)

UTTAR PRADESH PRODUCED 141.8 CRORE LITRES OF ETHANOL TILL NOVEMBER 2025: REPORT

The sharp surge in ethanol production has not only boosted industrial activity in Uttar Pradesh but also placed the state at the forefront of India's ethanol sector.

A increase in output, sales, and investment proposals signals that Uttar Pradesh's economy is entering a new phase of expansion.

According to officials, Uttar Pradesh produced 141.8 crore litres of ethanol by November 2025, marking the highest production

Continued on the next page ...

Office: 403 - Chintels House, 16-Station Road, Lucknow-226001 | Phone: +91-522-2635127, 2636482 | E-mail: upsma@upsma.org | Visit us at: www.upsma.org

UPSMA
UP SUGAR MILLS ASSOCIATION

वार्ता
The Dialogue

DECEMBER, 2025 — Monthly Newsletter of UPSMA — VOL: IV, ISSUE: 315

level achieved so far, reported The Statesman.

"Structural reforms, technological upgrades, and the Yogi Adityanath government's 'Ease of Doing Business' policies have accelerated growth in the liquor, beer, wine, and alcohol-based industries," an official said.

Uttar Pradesh has now emerged as one of the country's leading ethanol producers, a development that has not only stimulated industrial activity but also given a significant boost to the rural economy.

Investors, from major corporate houses to medium-scale enterprises, are expanding their presence in the state's alcohol-based industrial sector.

According to Uttar Pradesh Excise Commissioner Dr. Adarsh Singh, 125 agreements have been signed under Invest UP, involving ongoing investments worth Rs. 3,07,35 crore.

Additionally, land has been allocated for 43 ready-to-launch projects, with investments amounting to Rs. 6,898.88 crore currently under process.

He further noted that 19 projects under Invest UP are operational, representing investments of over Rs. 2,900 crore and creating more than 4,800 jobs. Under non-MoU arrangements, 28 projects are functioning with investments of Rs. 2,752 crore.

Overall, proposed investments in the excise sector are expected to generate more than 9,940 employment opportunities.

Source: Chinimandi, 8th December, 2025

LABOUR CODE, 2025

Key Takeaways:

The Government has consolidated 29 labour laws into four comprehensive Labour Codes.

- The four Labour Codes include the Code on Wages, 2019, the Industrial Relations Code, 2020, the Code on Social Security, 2020 and the Occupational Safety, Health and Working Conditions Code, 2020.

The historic reform streamlines compliance, modernizes outdated provisions, and creates a simplified, efficient framework that promotes ease of doing business while safeguarding workers' rights and welfare.

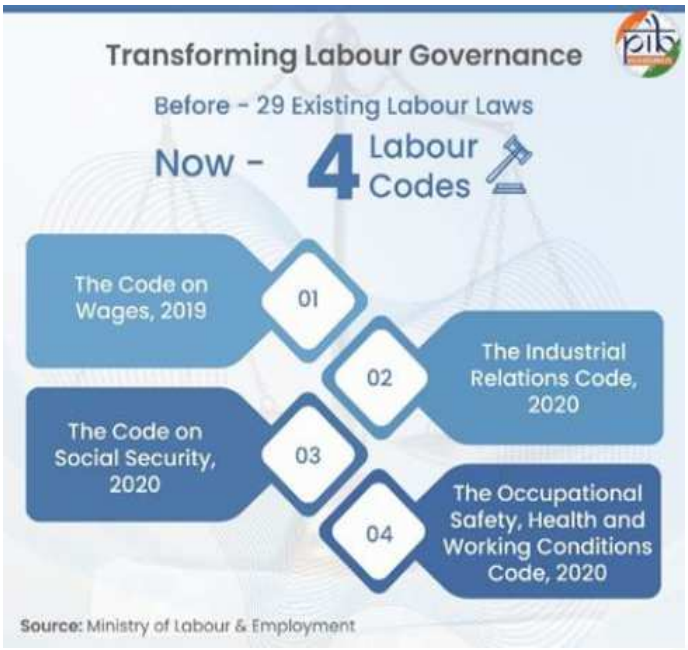

Establishment of the new Labour Codes marks a transformative step in India's labour landscape- one that balances the welfare of workers with the efficiency of enterprises. These provisions simplify compliance, promote safety, and ensure fairness in wages. Moreover, these reforms lay the foundation for a more equitable, transparent, and growth-oriented economy. They reaffirm India's commitment to fostering a modern labour ecosystem that empowers both workers and industry, paving the way for inclusive and sustainable progress.

Source: PIB , 21st November, 2025

INDIA'S FIRST INDIGENOUS HYDROGEN FUEL-CELL VESSEL SETS SAIL IN VARANASI

Union Minister Sarbananda Sonowal on Thursday flagged off the commercial operation of India's first indigenous hydrogen fuel-cell passenger vessel at Namo Ghat in Varanasi.

The vessel is the first in India to demonstrate hydrogen fuel-cell propulsion in a maritime setting and features fully indigenous technology. It operates on a Low Temperature Proton

Continued on the next page ...

Office: 403 - Chintels House, 16-Station Road, Lucknow-226001 | Phone: +91-522-2635127, 2636482 | E-mail: upsma@upsma.org | Visit us at: www.upsma.org

UPSMA
UP SUGAR MILLS ASSOCIATION

वार्ता
The Dialogue

DECEMBER, 2025 — Monthly Newsletter of UPSMA — VOL: IV, ISSUE: 315

Exchange Membrane (LT-PEM) fuel cell system that converts stored hydrogen into electricity, releasing only water as a byproduct.

Source: The Indian Express, 12th December, 2025

SEASON 2025-26: SUGAR PRODUCTION UPDATES BY ISMA TILL DECEMBER 15

The table below presents a state-wise comparison of sugar production for the current season (SS 2025-26) vis-à-vis last year.

YTD	15th December' 2025		15th December' 2024	
ZONE	No. of operating factories	Sugar production (lac tons)	No. of operating factories	Sugar production (lac tons)
U.P.	118	24.56	121	23.04
Maharashtra	187	31.79	183	16.78
Karnataka	74	15.80	76	13.85
Gujarat	14	1.82	14	1.80
Tamil Nadu	11	0.50	5	0.75
Others	74	3.78	78	5.06
ALL INDIA	478	78.25	477	61.28

(Note: Above sugar production figures are after diversion of sugar into ethanol)

Source: ISMA

UTTAR PRADESH REPLACES 12.38 LAKH HECTARES OF DISEASE-SUSCEPTIBLE SUGARCANE VARIETY CO.0238 IN FOUR YEARS

In addition, for the phased replacement of the sugarcane variety Co.0238, the varieties developed by the U.P. Sugarcane Research Council, Shahjahanpur; the Indian Institute of Sugarcane Research, Lucknow; and the Sugarcane Breeding Institute, Karnal—namely CoSha 13235, CoSha 17231, CoSha 18231, CoLk 14201, CoLk 16202, CoLk 15466, Co 15023, Co 0118, CoSha 19231, and CoSe 17451—are being promoted to replace and balance the disease-susceptible variety. During the past four years, 12.38 lakh hectares of the affected variety Co.0238 have already been substituted with other varieties.

Source: Chinimandi, 2nd December, 2025

Do You Know

Car Brands	Countries of Origin
Rolls Royce	Britain
BMW	Germany
Toyota	Japan
Bugatti	France
Mercedes	Germany
Lamborghini	Italy
Ford	America
Bentley	Britain
Volvo	Sweden
Lexus	Japan
Tesla	America
Jaguar	Britain
Audi	Germany
Nissan	Japan

UPSMA Newsletter titled 'Varta' the Dialogue is providing information on sugar, sugar industry and sugar byproducts. We request you to share your thoughts and experience with us through write-ups, success stories, updates, photographs etc. We publish your creative in the next edition of this newsletter. You are requested to send your entries to be published in UPSMA newsletter through mail at upsma@upsma.org. The newsletter will be uploaded on UPSMA website.

अस्वीकरण: यहाँ दी गई जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटा या अन्य स्रोतों से ली गई है, जिन्हें विश्वसनीय माना जाता है और इस पर इस तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। इस समाचार में दी गई जानकारी में किसी भी अनजाने त्रुटि से किसी भी व्यक्ति को होने वाले किसी भी नुकसान या क्षति के लिए 'वार्ता टीम' किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होगी। इस दस्तावेज़ में दी गई जानकारी इस समाचार की तारीख तक है और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भविष्य के परिणाम या घटनाएँ इस जानकारी के अनुरूप होंगी।

Office: 403 - Chintels House, 16-Station Road, Lucknow-226001 | Phone: +91-522-2635127, 2636482 | E-mail: upsma@upsma.org | Visit us at: www.upsma.org